हरिभूमि

रायपुर
मंगलवार, 13 फरवरी 2018

टेंडर करना भूला रविवि, ऑनलाइन आवेदन 15 दिनों से बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय डिग्री की ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था के लिए टेंडर करना ही भूल गया। इसके कारण छात्रों को परेशानी हो रही है। डिग्री के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 15 दिनों से बंद है।

दरअसल रविवि ने तीन साल पहले डिग्री के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था शुरू की थी। इसके लिए कोलकाता की एक कंपनी को ठेका दिया गया था। जनवरी में कंपनी के तीन साल पूरे हो गए। उस कंपनी के साथ ना तो ठेके को आगे बढ़ाया गया और ना ही रविवि ने नई कंपनी को ठेका देने के लिए कोई प्रक्रिया शुरू की। नए टेंडर के लिए अब तक कोई सूचना भी नहीं निकाली गई।

ग्रेडिंग पर पड़ सकता है असर

रविवि द्वारा इस संदर्भ में कोई व्यवस्था न होने के कारण ऑनलाइन आवेदन की सुविधा ठप पड़ी है। वर्ल्ड क्लास यूनिवर्सिटी में शामिल होने के लिए रविवि ने आवेदन भी किया है। रविवि की इस बड़ी खामी का प्रभाव इस पर भी पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन व्यवस्था न होने के कारण दूरस्थ क्षेत्रों और दूसरे राज्यों में रहने वाले छात्रों को परेशानी हो रही है। हर माह औसतन 1 हजार आवेदन डिग्री के लिए आते हैं। इनमें से लगभग आधे आवेदन ऑनलाइन ही होते हैं। रविवि द्वारा टेंडर प्रक्रिया शुरू किए जाने पर भी कम से कम एक माह का वक्त प्रक्रिया पूरी होने में लग जाएगा।

- तीन साल पहले शुरू की गई थी डिग्री के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रकिया
- दूसरे राज्यों के आवेदनकर्ता हो रहे परेशान, नए के लिए अब तक टेंडर या कोई सूचना नहीं

36 हजार में से 19 हजार नामांकन ही फॉरवर्ड

ऑनलाइन सुविधाओं की घोषणा के बाद इसके सुचारू संचालन की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा नहीं की जा सकी। इस वर्ष 36,901 छात्रों ने अपना नामांकन कराया। इनमें केवल 19 हजार छात्रों के आवेदन ही विश्वविद्यालय फॉरवर्ड कर सका है। इस सत्र से नामांकन का कार्य एनआईसी द्वारा किया जा रहा है। इससे पहले तक इसके लिए निजी कंपनी को ठेका दिया जाता था। छात्रों के नामांकन के फॉरवर्डिंग का कार्य निजी कंपनी द्वारा स्वयं ही किया जाता था। इस सत्र से नामांकन की जांच के अलावा इसे आगे फॉरवर्ड करने का कार्य भी रविवि द्वारा ही किया जा रहा है। जब तक नामांकन कार्य पूर्ण नहीं हो जाता, तब तक छात्रों को रोल नंबर आबंटित नहीं किए जा सकेंगे। वक्त पर नामांकन कार्य पूर्ण न होने की स्थिति में परीक्षाओं में देर भी हो सकती है।